कला दीर्घा
KALA DIRGHA

April 2012, Volume-12, No. 24

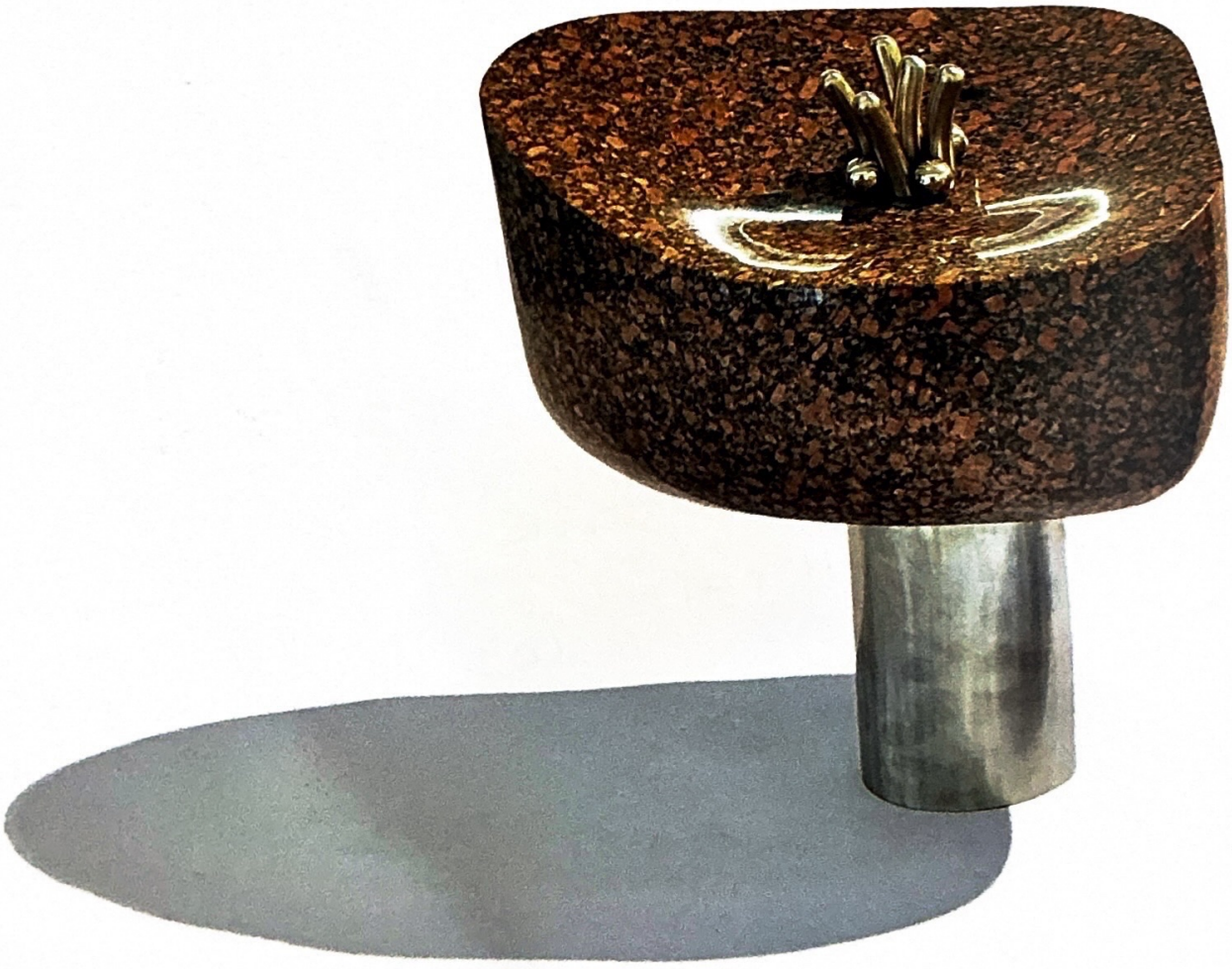

अनिल कुमार का मूर्तिशिल्प
Sculpture of Anil Kumar

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका, अप्रैल 2012, वर्ष 12, अंक 24
International Journal of Visual Art, April 2012, Vol. 12, No. 24
Website : www.kaladirgha.com
ISSN : 0976 - 1500

सम्पादक : डॉ. अवधेश मिश्र
Editor : Dr. Awadhesh Misra

Painting of Ram Chandra Kharatmal
रामचन्द्र खरटमल की कलाकृति

आवरण–१, मानस जेना की कलाकृति
Cover-1, Painting of Manash Jena

आवरण–४, सुनील दास की कलाकृति
Cover-4, Painting of Sunil Das

सम्पादक — *Editor*

डॉ. अवधेश मिश्र — **Dr. Awadhesh Misra**

C-361, राजाजीपुरम,
लखनऊ–226 017

C-361, Rajajipuram,
Lucknow-226 017, India

✆ +91-94150 22724, +91-8874850116
Email : drawadheshmisra@gmail.com
website : http://www.awadhesharts.com

प्रतिनिधि — *Representative*

हेमराज, दिल्ली — **Hemraj,** Delhi
✆ +91-98111 32871 Email : rajhemraj@rediffmail.com

राकेश माथुर, यू.के. — **Rakesh Mathur,** U.K.
✆ 0044-20-83256358 Email : mathurRak@aol.com

सांग, इन–सैंग, कोरिया — **Song, In-Sang,** Korea
✆ 082-10-6228-333 Email : songjayu@gmail.com

स्मिता नारायण, यू.एस. — **Smita Narayan,** U.S.
✆ +0019728413381 Email : drawadheshmisra@gmail.com

कानूनी सलाहकार — *Legal Advisor*

ए.पी. ओझा एडवोकेट — **A.P. Ojha** Advocate
✆+91-98390 10677 Email : apojhaadvocate@ymail.com

मुद्रक — *Printed at*

अर्चना एडवरटाइजिंग प्रा.लि. — **Archana Advertising Pvt. Ltd.**
नई दिल्ली — New Delhi

प्रकाशक एवं वितरक — *Publisher & Distributor*

अंजू सिन्हा — **Anju Sinha**
1/95, विनीत खण्ड, — 1/95, Vineet Khand,
गोमती नगर, लखनऊ-10 — Gomti Nagar, Lucknow-10 INDIA
✆ +91-522-2725942 Email : anju1965@yahoo.com

Price : ₹ **150/- US $ 10; UK £ 6,** for institutions-₹ **250/-** in India

SUBSCRIPTION

For Individuals :				
3 years	UK £ 36	US $ 60	Rs. 900	(Six copies)
5 years	UK £ 60	US $ 100	Rs. 1400	(Ten copies)
For Institutions :				
3 years	UK £ 36	US $ 60	Rs. 1500	(Six copies)
5 years	UK £ 60	US $ 100	Rs. 2500	(Ten copies)

For membership please send subscription by DD in favour of **Kala Dirgha** payable at Lucknow

सम्पादन अवैतनिक — ***Honorary Editor***

प्रकाशित सामग्री के लिये सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी विवाद के लिये न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा। प्रकाशित सामग्री के किसी अंश का पुनर्प्रकाशन वर्जित है।

The editor is not responsible for the published articles. For any legal dispute the matter will be in the jurisdiction of the Lucknow Courts. Reproduction in any form is prohibited.

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका, अप्रैल 2012, वर्ष 12, अंक 24
International Journal of Visual Art, April 2012, Vol. 12, No. 24
website : www.kaladirgha.com

सन्तोष वर्मा की कलाकृति
Painting of Santosh Verma

अनिल कुमार की मूर्तिशिल्प
Sculpture of Anil Kumar

सम्पादकीय 4
अशोक भौमिक

नई शती में चित्रकला का भविष्य 6
डॉ. राजेश कुमार व्यास

अनीश कपूर : विज्ञान और तकनीक का अनूठा शिल्पाकाश 12
वेद प्रकाश भारद्वाज

भारती खेर : स्थानीयता की वैश्विकता 16
वेद प्रकाश भारद्वाज

अर्पिता सिंह : मानवीय भू-दृश्य 20
इरा झा

रघु राय : बेहतरीन इंसान की बेबाक झलक 23
मनमोहन सरल

सुहास बहुलकर : जीवन का सकारात्मक चित्रण 26
अपर्णा

अनिल कुमार के शिल्प : सहजता के प्रतिमूर्ति 31
इरा झा

सपनों के चितेरे : सन्तोष वर्मा 36
कुमार अनुपम

सुनील दास की कृतियों पर एक नज़र 41
उषा

एक सार्थक कला आयोजन : राष्ट्रीय कला उत्सव, शिलांग 47
डॉ. राजेश कुमार व्यास

पुस्तक दीर्घा 49

Dr. Ashrafi S. Bhagat
Colour Metonymy : An Appreciative Look At The Works Of K.M. ADIMOOLAM 51

Shobha Math
Art of KISHOR THAKUR 53

Jayanta Pandit
RAVI MANDLIK : A True Believer in the Divine Power of Universe 56

Om Prakash
HANUMAN KAMBLI :A Painter painting poetry through art 58

Dr Lalit Gupta
SUMAN GUPTA : 'Solitude and Contemplation' 62

Vijay Bhandare
VIRAJ NAIK : Shape of things....Yet to come 66

Ranjan Ghosh
Metaphorical Painter : SHOVIN BHATTACHARJEE 68

Subhadra Namita
MANAS JENA : Artist of the soul's reflection.... 70

Ina puri
RINI DHUMAL : The Empress of Solitude 74

सम्पादकीय

कला-बाज़ार शुभ संकेत दे रहा है। कलाकार भी उत्साहित दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अपनी रचनाधर्मिता बनाए रखते हुए बाज़ार से कैसे जुड़े रह सकते हैं। यहाँ मैं बाज़ार की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि यह सच्चाई है। इसे नज़रअन्दाज करके किसी भी कलाकार का जीवन-संघर्ष या रचनाधर्मिता इस भौतिक युग में आसान नहीं रह जाती। बस, इस बाज़ार के काले पक्ष से हम सबको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है, उस खेल से बचे रहने की आवश्यकता है, जो वास्तविक और गम्भीर कलाकारों की कला को गहरे से प्रभावित कर जाती है और वह अपना उत्स एवं निजत्व खो कर ऐसी आँधी में बह जाते हैं जहाँ से वापस आना आसान नहीं रह जाता।

अवधेश मिश्र, संयोजन १/२०१२, कैनवस पर तैलचित्र, २४x२४ इंच
Awadhesh Misra, Composition, 1/2012, Oil on canvas, 24x24 inch

हम कलाकारों का धर्म यह भी है कि समाज के उस पक्ष से ही प्रभावित न हों जो केवल सौंदर्य बोध से जुड़ा है बल्कि जन-जीवन की आम समस्याओं, उनके अभावों को भी हम रचना विषय बनाएं और उस पक्ष को समाज के अन्य वर्गों के सामने लाएं। इस विषय पर कुछ महान कलाकारों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ कलाकार एवं कला समीक्षक अशोक भौमिक ने बड़ी ही मौलिक और गंभीर बात कही है। जहाँ वह आस-पास के जीवन और समस्याओं/संघर्षों को कला में सिरे से गायब होने की बात करते हैं वहीं पुनरावृत्ति को भी बड़ी और बाज़ार के दबाव से उपजी हुई समस्या मानते हैं।

एक गंभीर विषय पर चर्चा के उपरान्त इस अंक का आकर्षण अनीश कपूर का विज्ञान और तकनीक का अनूठा प्रयोग है, जिसे बड़े ही सहज और बोधगम्यता के साथ वरिष्ठ कवि एवं कला समीक्षक डॉ. राजेश कुमार व्यास ने लिखा है। राजेश इस तथ्य को प्रकाशवृत्त में लाने का प्रयास करते हैं कि अनीश की कला परिवेश की शून्यता, ध्वनियाँ-प्रतिध्वनियाँ, दृश्य भी तमाम मूर्त-अमूर्त संभावनाओं की संवाहक है।

वरिष्ठ कला समीक्षक वेद प्रकाश भारद्वाज ने चर्चित कलाकार भारती खेर के जीवन एवं कला-प्रयोगों की एक यात्रा पर प्रकाश डाला है, जिससे इस कलाकार सम्पत्ति की कला यात्रा का सम्यक परिचय पा सकते हैं। साथ ही वेद